समय : 3:00 घंटे **पूर्णांक : 100**

सूचना : 1.सभी प्रश्न अनिवार्य है।

2.सभी प्रश्नों के लिए समान अंक है।

प्रश्न १. नाटक की परिभाषा स्पष्ट करते हुए उसके तत्वों पर प्रकाश डालिए। **२०**

अथवा

एकांकी के उद्भव और विकास को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न २. निम्नलिखित अवतरणों की संसंदर्भ व्याख्या कीजिए। **२०**

(क) "धैर्य की भी कोई सीमा होती है। मै एक राक्षस की पत्नी हूँ। क्या नहीं किया उसने मेरे साथ ? मुझसे घृणित कार्य कराने के लिए गौना कराया था।"

अथवा

''तलाक मिले या न मिले, पर मै तेरे साथ नही रहूंगी। तू पति के नाम पर कलंक है।''

(ख) "पर मैं भी आसानी से छोड़ने वाली नहीं हूं। ऐसा बदला लूंगी कि याद रखेंगे। दुनिया भर में बदनाम न किया, तो मुझे शारदा न कहना। दूसरे का घर उजाड़ना हंसी- खेल नहीं है। और न किसी विवाहिता को आसानी से धोखा दिया जा सकता है।"

अथवा

''मेरी तो यही इच्छा है कि मुझे एक अन्वेषक के रूप मे याद किया जाये-....।''

प्रश्न ३. काला पत्थर नाटक की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए। **२०**

अथवा

काला पत्थर नाटक की स्त्री पात्र कौन है ?उसके चरित्र को अपने शब्दों में लिखिए।

प्रश्न ४. 'और वह जा न सकी' एकांकी के आधार पर दाम्पत्य जीवन के संघर्ष व सामंजस्य भाव पर प्रकाश डालिए। **२०**

अथवा

'जान से प्यारे' एकांकी के कथ्य पर प्रकाश डालते हुए एकांकी के संदेश को अपने शब्दों में लिखिए।

प्रश्न ५. किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियां लिखिए। **२०**

क) 'काला पत्थर' नाटक की विषय वस्तु

ख) 'काला पत्थर' नाटक में संवाद योजना

ग) 'दीपदान' एकांकी की पन्ना धाय का चरित्र चित्रण

घ) 'नो एडमिशन' एकांकी में एडमिशन को लेकर मुश्किलें

****

XSAGARDADMINY34EFD0XSAGARDADMINY34EFD0